No. of Printed Pages : 2

MHN–005

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन)

(एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.एन.-005 : धर्म एवं कर्म-विमर्श

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। हिन्दी* ***अथवा*** *अंग्रेजी* ***अथवा*** *संस्कृत में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. धर्मशास्त्र के अनुसार कर्तव्य निरूपण कीजिए।
2. धर्म और रिलीजन में अन्तर लिखिए।
3. नित्य-नैमित्तिक कर्म पर विस्तार से प्रकाश डालिए।
4. मठाम्नाय के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. पुनर्जन्म की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डालिए।
6. मोक्ष के अर्थ एवं स्वरूप का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *अधोलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* $4 \times 10 = 40$

1. धर्म का विश्लेषण कीजिए।
2. कर्म सम्बन्धी दृष्टान्तों का वर्णन कीजिए।
3. वैदिक धर्मानुशासन का वर्णन कीजिए।
4. कर्म, अकर्म और विकर्म की विस्तृत व्याख्या कीजिए।
5. शक्तिपीठ एवं ज्योतिर्लिंगों का वर्णन कीजिए।
6. मन्दिर परम्परा का विस्तृत स्वरूप लिखिए।
7. मोक्ष के उपायों का वर्णन कीजिए।

× × × × ×